Regarding reported death of tribal children due to lack of medical facilities

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): सभापति महोदय, मेरे जिले में, हालांकि यह मेरे लोक सभा क्षेत्र का पार्ट नहीं है, लेकिन एनआरएचएम का अध्यक्ष होने के नाते मैं उस जिले का अध्यक्ष हूं । वह मुख्यमंत्री जी का क्षेत्र है । यह सुंदर पहाड़ी है । पिछले एक महीने से प्रिमिटिव ट्राइबल ग्रुप, जो पहाड़िया जनजाति है, उनके 20 बच्चों की मौत हो गई है । मलेरिया या इसी तरह का कोई ऐसा वायरल है, जिसको राज्य सरकार देख नहीं पा रही है । मैं और हमारे नेता बाबूलाल मरांडी जी, हम दोनों वहां विजिट कर चुके हैं । लिटीपाड़ा और सुंदर पहाड़ी का यह हाल है ।

सर, हालत यह है कि वहां डॉक्टर की भी व्यवस्था नहीं है । आपको आश्चर्य होगा कि पीटीजी को हम 100 परसेंट प्रधानमंत्री आवास देते हैं, लेकिन उनका नाम लिस्ट में भी नहीं है । एक भी आदिवासी परिवार को प्रधानमंत्री आवास नहीं दिया गया है । आदिवासी के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टियां एक भी आदिवासी को वहां प्रधानमंत्री आवास नहीं दे पाई हैं । वहां डॉक्टर की भी सुविधा नहीं है । रोड की यह हालत है कि मेरा खुद का हाथ छिल गया है, मैं खुद ही मोटरसाइकिल से गिर गया । वहां मैं मोटरसाइकिल पर भी नहीं चढ़ पाया ।

सर, मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह है कि इस तरह आदिवासियों के खिलाफ माहौल बनाने वाला, आदिवासियों के खिलाफ नहीं काम करने वाला और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ाने वाले मेरे इलाके में जो सरकार है, उसको बर्खास्त किया जाए, यहां से केंद्रीय टीम को भेजा जाए । वहां प्रिमिटिव ट्राइबल ग्रुप पहाड़िया के जो बच्चे मर रहे हैं, उनकी जान बचायी जाए ।